५०२/३७०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी १८ जून, २०१७)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र -२**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं। **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम आवृत्ति, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''तुम अपने पिता के अन्तिम संस्कार की दुर्गति कर लोगे।'' (५०)
२. ''इस गद्दी का हम क्या करेंगे?'' (३८)
३. ''गलुजी के साथ अब हमारा कोई वैरभाव नहीं।'' (९)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. परमचैतन्यानन्द स्वामी रुठकर चले गए। (७९)
२. मंत्री-पुत्र की बात सुनकर नाग शान्त खड़ा हो गया। (१६)
३. मन और इन्द्रियों को स्थिर करने के लिए मूर्ति पूजा एक साधन है। (१४-१५)

प्र.३ 'विष्णुदास' (४५-४७) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [५]

१. दामोदरभाई श्रीजीमहाराज को कैसा कह रहे थे? (३९)
२. भक्ति के किसी चार प्रकार लिखिए? (९६)
३. स्वरूपानंद स्वामी कौन थे? (९१)
४. संवत् १८६५ में काशीदास से श्रीजीमहाराज ने क्या स्वीकार किया था? (२९)
५. वरताल में मन्दिर करने के लिए महाराज ने किस को आज्ञा दी? (२५)

प्र.५ ''कल्याण के लिए.....'' (८३-८४) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। [८]

१. दुर्गपुर खेल ..... थकी न्यारी॥ (७१-७२)
२. हे हरि हरि प्रभु ..... तेना छो हरनार॥ (७)
३. आहारनिद्रा ..... पशुभिः समानाः॥ (९७)
४. गुणिनां गुणवत्तायाः ..... यान्ति विदोऽप्यधः॥ (९९) - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''उसने किसीका क्या बिगाड़ा था जो उसे सत्संग से बाहर निकाला गया?'' (३३)
२. ''मैं सत्संग में उनके द्वारा प्रगट हूँ।'' (३४)
३. ''आपने उसकी सेवाओं का फल दिया है।'' (१९)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. पेटलाद में फौजदार ने संतों से कहा : 'भगतजी को छोड़ना मत।' (३९-४०)
२. माना भगत चुप हो गए। (१६-१७)
३. ऊना के कमा सेठ ने प्रागजी भक्त से क्षमा माँगी। (२६-२७)

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) [५]

१. सद्गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग (३)
२. 'शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया' (१८-३७)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [५]

१. खांभड़ा में स्वामी ने सेवक के पास किस के लिए क्या मंगवाया? (७)
२. जूनागढ़ में भगतजी कौन से पुराने संतों से मिले? (५७)
३. गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को दिया हुआ वचन कितने वर्ष के बाद पूरा किया? (२२)
४. गुणातीतानन्द स्वामी ने कौन सी चाबियाँ किस को दी थी? (२४)
५. गुणातीतानन्द स्वामीने गुलाब की माला किसको पहनायी? (३०)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर **''सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २''** परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. कंटकाकीर्ण मार्ग-विरोध का आरम्भ (२८)

(१) ☐ लाठी को धरती पर पटकी।

(२) ☐ शामजी को सत्संग से बाहर निकाल दूँगा।

(३) ☐ कीर्तन गा कर आनन्दित करते।

(४) ☐ जिनके बहुत जन्मों के संचित पुण्य हैं केवल वे ही पहचान पाएँगे।

२. जो एकान्तिक धर्म सिद्ध करना चाहते हैं उन्हें। (४८)

(१) ☐ ब्रह्मचर्य व्रत का पालन दृढ़ता से करना चाहिए। (२) ☐ धारणां पारणां का व्रत करना।

(३) ☐ एकाग्र होकर ध्यान करना। (४) ☐ निरन्तर भगवान का स्मरण करना।

३. संतत्व की कला याने क्या? (१७)

(१) ☐ सुख-दु:ख में समता। (२) ☐ सत्पुरुष से संयुक्त करा देने में समर्थ होता है।

(३) ☐ किसी के प्रति बुरा भाव नहीं रखते। (४) ☐ श्रीजीमहाराज की मूर्ति में निमग्न रहते हैं।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान : अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणिलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे और आचार्य उसे दण्डवत् करे; ऐसा क्यों हैं?''

उत्तर : जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान : नागर हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''**प्रागजी भक्त** जैसा **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे और **संत** उसे दण्डवत् करे; ऐसा क्यों हैं?''

१. **अन्तिम लीला :** दिपावली के दिन को खेत में घुमने के लिए गए और वहाँ लाखों हरिभक्तों को अपने दर्शन का लाभ दिया। अन्त में बोले, 'जिसने एक बार भी हमारा दर्शन किया है, उसे गोलोकधाम ले जाएँगे।' (६१)

२. **भगतजी के संत कठिनाई में :** सोरठ में भगतजी के दर्शन से बहुत बड़ी संख्या में अनेक शिष्य बन गए। मांगरोल के मगनलाल को अखण्ड कथा की लगनी लग गई। (४०)

३. **जूनागढ़ में गुणातीतानन्द स्वामी का संग :** संवत् १८११ में स्वामी गुणातीतान्द ने जूनागढ़ में पाँच महीने तक आत्मनिष्ठा और ज्ञान धर्म पर अद्‌भुत आध्यात्मिक प्रवचन दिया। (७)

४. **प्रागजी भक्त का बाल्यकाल :** स्थान देवता को थाल अर्पण नहीं किया गया था अत: भाभी ने कुछ खाने को देने से मना कर दिया। भाभी किसी काम से अंदर गई। झीणाभाई चुपके से शयन गृह में घुस गये। (२)

५. **ऐश्वर्य दर्शन :** संवत् १८५१ में भगतजी गढ़डा में थे। एक बनिया उनकी धर्मशाला में आया और भगतजी के नेत्रों में पलक झपके बिना देखने लगा। (६५)

६. **गूदड़ी में लाल :** श्रीनाथजी के सामग्री के मग के आधे बी में से यदि कोई चौरासी बेठक बना सकता है, तो यह तो महाप्रसाद है। शामजी तो शुद्ध हृदय है। (२०)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १६ जुलाई, २०१७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx